

6:07:2020

पाठ-1 स्वतंत्रता का दीपक - (कविता)  
गोपाल सिंह 'नेपाली'

शब्द-कुंजी

1. निशीथ
2. शक्ति
3. शक्ति
4. अनंत
5. युद्ध
6. बौर
7. कदर
8. पुण्य
9. प्राणदान
10. क्षुद्र

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
1. बयार	हवा
2. निशीथ	रात्रि
3. विद्वान	प्रभात
4. पुनीत	पावित्र
5. अनंत	अंतहीन
6. संधि	समझौता
7. दुकूल	रेशमी वस्त्र
8. हिलोर	लहर, तरंग
9. यातना	कष्ट
10. क्षुद्र	तुच्छ



## लघु प्रश्नोत्तर

प्र० 1 'स्वतंत्रता का दीपक' से कावे का क्या तात्पर्य है?

उ० 'स्वतंत्रता का दीपक' से कावे का तात्पर्य है अपनी आजादी को बरकरार रखना। देश पर कुर्बानि देने वाले वीरों के त्याग की ज्योति सदा जलती रहे।

प्र० 2 इसे 'शक्ति का दिया हुआ, शक्ति को दिया हुआ,' क्यों कहा गया है?

उ० यह स्वतंत्रता का दीपक हमें अनेक देश-प्रेमियों की कठोर तपस्या, असीम त्याग और शक्ति के कारण प्राप्त हुआ है और देशवासी समर्थ हों तो वे प्राण देकर भी इसकी रक्षा करेंगे।

प्र० 3 'आज गंगाधर पर, यह दिया बुझे नहीं' से कावे क्या कहना चाहता है?

उ० स्वतंत्रता का दिया किसी भी प्रकार से बुझे नहीं भले ही कितनी विपरीत स्थितियाँ हों, कितने ही जोर का बहाव हो हमें इसे प्रज्वलित (जलाकर) रखना है।

प्र० 4 दीपक के सामने कौन-कौन सी प्रतिकूल परिस्थितियाँ हैं?



उ० दीपक के सामने तेज वायु, ओंधी, बारिश, तूफान आदि प्रातिकूल परिस्थितियाँ हैं।

प्र० 5 शहीद का कौन-सा काम पुण्यदान कहा गया है ?

उ० देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्यौदावर करने का काम को कवि ने पुण्यदान कहा है।

प्र० 6 'स्वतंत्रता का दीपक' कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ० 'स्वतंत्रता का दीपक' कविता के कवि गोपाल सिंह 'नेपाली' हैं।



## विचारात्मक प्रश्नोत्तर

प्र० 1. कवि दीपक को किन-किन विपरीत स्थितियों से बचाना चाहता है ?

उ० कवि दीपक को ~~दीपक~~ को विभिन्न प्रातिकूल परिस्थितियों जैसे - तेज वायु, आँधी, बारिश, तूफान आदि से बचाना चाहता है।

प्र० 2. 'यह निशिथ का दिया, ला रहा विहान है।' यहाँ 'निशिथ' और 'विहान' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?

उ० जिस प्रकार रात में दीपक जलाकर रोशनी की जाती है उसी प्रकार आजादी के दीपक ने प्रकाश दिया है और उससे पूर्ण रोशनी आ रही है। वह रात्रि का दिया प्रभात की रोशनी लेकर आया है। निशिथ यानि अंधकार और विहान यानि प्रकाश।

प्र० 3. दिया कवि को प्राण जैसा क्यों लग रहा है ?

उ० अनेक देश-प्रेमियों के प्राणों की कुर्बानी से ये आजादी का दीपक जला है इसलिए यह प्राणरूप है।



6

प्र० 4 बौंस, बबूल, और घास किसके प्रतीक हैं ?

उ० बौंस, बबूल और घास समस्याओं, कष्टों और कठिनाइयों के प्रतीक हैं।

प्र० 5 कब्र और मज़ार पर भी कवि स्वतंत्रता का दिया क्यों जलाना चाहता है ?

उ० कवि स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने प्राण देने वालों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता है उनको विशेष सम्मान देने के लिए कब्र, और मज़ार पर दीपक जलाना चाहता है।